A–0288

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

MAJY-608

MA Jyotish (MAJY)

(ज्योतिष प्रबोध-02)

Examination, June 2025

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :— यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) (2×19=38)

नोट :— खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. भास्कराचार्य के अनुसार भूगोल स्वरूप का वर्णन कीजिए। पुराणों में वर्णित भूमि आधार की परम्परा का उल्लेख कीजिए।

2. सप्रमाण पाइथागोरस प्रमेय को सत्यापित कीजिए।

3. पृथ्वी के गोलत्व के संदर्भ में विभिन्न आचार्यों के मत का उल्लेख कीजिए।

4. भिन्नाष्टक वर्ग से आप क्या समझते हैं ? सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

5. शून्य से अंकों की उत्पत्ति एवं महत्व को प्रकाशित कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) (4×8=32)

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. सौरसिद्धान्तीय भू–परिधि को स्पष्ट कीजिए।

2. पृथ्वी के रासायनिक स्वरूप का उल्लेख कीजिए।

3. शनि का अष्टकवर्ग फल का वर्णन कीजिए।

4. परिधि और व्यास में अंतर स्पष्ट कीजिए।

5. गैलेलियो के सिद्धान्त को उपस्थापित कीजिए।

6. अष्टकवर्ग से भिन्नाष्टक वर्ग का निर्माण कैसे किया जाता है ? स्पष्ट कीजिए।

7. समुदायाष्टक वर्ग का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

8. अष्टक वर्ग के प्रयोजन को स्पष्ट कीजिए।

****